

‘वर्शिव जनसंख्या की स्थिति- 2019’ रपिर्त

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी ‘वर्शिव जनसंख्या की स्थिति- 2019’ (State of World Population- SWOP) रपिर्त के अनुसार, भारत के स्कूलों में प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर लड़कों की तुलना में लड़कियों की नामांकन दर अधिक है।

प्रमुख बदि

- ज्ञातव्य है कि ‘वर्शिव जनसंख्या की स्थिति- 2019’ रपिर्त संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (United Nations Population Fund- UNFPA) द्वारा प्रकाशित की गई है।
- रपिर्त के अनुसार, दुनिया भर में लड़कियों के नामांकन की दर प्राथमिक स्कूलों में लड़कों की तुलना में कम है, जबकि माध्यमिक स्तर पर बराबर है।
- 2009-18 के लिये समायोजित आँकड़ों के अनुसार, भारत के प्राथमिक विद्यालयों में लड़कियों की नामांकन दर 98%, जबकि लड़कों की नामांकन दर 97% थी।
- वैश्विक स्तर पर लड़कियों और लड़कों की नामांकन दर क्रमशः 90% और 92% है।
- अध्ययन के अनुसार, इस मामले में भारत का लैंगिक समानता सूचकांक (Gender Parity Index) 1.01 है, जबकि वर्शिव का 0.98 है।
- माध्यमिक स्तर पर भारत में लड़कियों और लड़कों की नामांकन दर दुनिया भर की तुलना में कम है।
- हालाँकि भारत में लड़कियों और लड़कों की नामांकन क्रमशः 62% और 61% है, इस मामले में भारत का लैंगिक समानता सूचकांक 1.01 है जो दुनिया भर के सूचकांक (1.0) से अधिक है।
- भारत के पड़ोसी देशों- बांग्लादेश और श्रीलंका ने स्कूली शिक्षा के दोनों स्तरों पर नामांकन में उच्च स्कोर प्राप्त किया है।

UNFPA

- संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (United Nations Population Fund- UNFPA) की स्थापना विकासशील देशों को जनसंख्या वृद्धि के सामाजिक और आर्थिक नहितार्थों के बारे में सलाह देने और राष्ट्रीय जनसंख्या कार्यक्रमों को समर्थन देने के लिये 1969 में की गई थी।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस